वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 181 | गुरुवार 27 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शहर की हवा: पिछली दीपावली से तो बेहतर फिर भी सामान्य से 3 गुना अधिक खराब रही शहर की हवा

विजिबिलिटी भी 8 मी. तक

2021 में पॉल्यूशन का स्तर 349 तक पहुंच गया था, 2020 में कोविड के चलते पटाखों पर बैन होने से 50 फीसदी कम था वायु प्रदूषण। कमिश्नरेट पर एक्यूआई लेवल सबसे ज्यादा रहा, शास्त्रीनगर, आदर्श नगर में पीएम 2.5, पीएम-10 का लेवल सीवियर कैटेगरी में।

जयपुर. शाबाश इंडिया। कोरोनाकाल के बाद पहली बार खुलकर मनाई गई दिवाली में जमकर पटाखे चले। इसका असर आबोहवा पर भी पड़ा। स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के रिकॉर्ड के अनुसार, पुलिस कमिश्नरेट पर सर्वाधिक एक्यूआई 298 दर्ज हुआ। यह सामान्य एक्यूआई 100 से 3 गुना ज्यादा रहा। आदर्श नगर में एक्यूआई 268 और शास्त्रीनगर में 228 रिकार्ड किया गया। अबकी इंडेक्स ऑरेंज कैटेगरी में रहा, हालांकि 2019 की तुलना में पॉल्यूशन लेवल कम रहा। उस समय पॉल्यूशन रेड कैटेगरी यानी सीवियर रहा। 200 से अधिक एक्यूआई लेवल खराब माना जाता है और किसी भी शहर की आबोहवा के इस कैटेगरी में पहुंचने से सांस लेने में दिक्कत महसूस होने लगती है। वातावरण में पीएम 2.5, पीएम 10 का लेवल सीवियर कैटेगरी में पहुंचा आदर्श नगर और पुलिस कमिश्नरेट पर पीएम 2.5, 10 का अधिकतम स्तर 500 दर्ज हुआ। इस दौरान विजिबिलटी भी 100 मीटर से 7-8 मी. पर रहा। इससे वाहन चालकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

गोवर्धन पर जयपुर के गोविंददेवजी मंदिर में 56 भोग

कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा पर गोवर्धन की पूजा, अन्नकूट महोत्व का आयोजन रहा। जयपुर के गोविंददेवजी मंदिर में ठाकुरजी को 56 भोग लगाकर सुंदर झांकी सजाई गई है। भरतपुर में 108 फीट के गोवर्धन वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। प्रदेशभर में गोवर्धन पूजा की गई। शुभ संयोग यह है कि 4 अच्छे ज्योतिष योग इस दौरान बने हैं। नए और शुभ-मांगलिक कार्य शुरू करने के लिए दिन उत्तम रहा। आयुष्मान, सर्वार्थसिद्धि, अमृतसिद्धि और प्रीति योग के बीच गोवर्धन पूजा देश-प्रदेश के लिए सुख-समृद्धि देने वाली रहेगी। प्रीति योग भी बना हुआ था जो सुबह 10.09 बजे तक रहा। यह पूजा-पाठ और मांगलिक कार्यों के लिए शुभ फलदायी माना जाता है। भरतपुर में कॉलेज ग्राउंड में श्रद्धालुओं ने 108 फीट के भगवान श्रीकृष्ण चिटकी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाए हुए बनाए जिसकी पूजा रखी गई। इसे लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे बड़े गोबर के गोवर्धन भगवान के रूप में अवॉर्ड के लिए भी प्रपोज किया गया है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी गोवर्धन प्रतिमा बताया जा रहा है।

बहन जिस दिन भाई को संभालने आ जाए वह दिन हो जाता भाईदूजः समकितमुनिजी

बदनसीब भाई को खुशनसीब बनाने की शक्ति बहन के पास। शांतिभवन में नियमित प्रवचन में भाईदूज प्रसंग पर चर्चा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। रिश्ते जो संभाले हुए है उन्हें कभी-कभी बिना बुलाए भी संभाल लेना चाहिए। बिना बुलाए संभालते रहने पर रिश्ते संभले हुए रहते है। किसी को समय पर संभाला तो वह सारी जिंदगी तुम्हे संभालेगा लेकिन किसी को समय पर नहीं संभाला तो हो सकता वह रिश्ता ही खत्म हो जाए। बहन ही है जो उस भाई को संभाल सकती जिसे कोई नहीं संभाल पा रहा हो। बहन यदि निस्वार्थ भाव से भाई का सही मार्गदर्शन करें तो भाई के सोए हुए नसीब जगते है। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में बुधवार को धर्मसभा में भाईदूज प्रसंग पर प्रवचन में भगवान महावीर के बड़े भाई नंदीवर्धन व उनकी बहना सुदर्शना के रिश्ते की चर्चा करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बहन को कभी अपने स्वार्थ के लिए भाई को नहीं भटकाना चाहिए। बहन में ये शक्ति है कि वह बदनसीब भाई को खुशनसीब भी बना सकती है और शूपर्णखां की तरह भटकाने पर खुशनसीब भाई भी रावण की तरह बदनसीब हो सकता है। समकितमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर के निर्वाण प्राप्त होने पर गमगीन भाई नंदीवर्धन को संभालने का कार्य उनकी बहन सुदर्शना ने ही किया। सुदर्शना ने ही भोजन नहीं कर रहे अपने भाई के मुंह में हाथ से भोजन का कोर डाला। नंदीवर्धन के एक कोर मुंह में लेते ही पूरा कुण्डलपुर मुस्करा उठा और घर का वातावरण सहज होने लगा। तभी से भाईदूज का पर्व मनाया जाने लगा। मुनिश्री ने कहा कि जब कभी भाई को जरूरत है ओर बहन संभालने और सहयोग के लिए पहुंच जाए तो वह दिन भाईदूज है। भूखे भाई को जीमाने का कार्य बहन ही कर सकती है। अपने भाई से आगे सहधर्मी भाई व उससे भी आगे मानवजाति के सभी प्राणी को संभालना चाहिए। हमारे देने से दूसरों को नहीं हमें ही मिलता है। ये नहीं सोचे कि मैं दे रहा हूं इसलिए दूसरों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जो हमे प्राप्त हुआ है उसकी समय पर कद्र करते रहो। हमारी आदत है जो हमे मिला उसके प्रति लापरवाह हो जाते है। सोच ऐसी हो जाती है कि ये तो मिला हुआ है कहां जाएगा। जिसके पीछे भाग रहे वह मिले या न मिले लेकिन जो मिला हुआ वह छूट जाता है। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायन कुशल जयवंतमुनिजी का भी सानिध्य मिला। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

जिंदगी में मत दो किसी को अंतराय

पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि भूख लगती पाप के उदय से और भोजन मिलता पुण्य के उदय से। ये दोनों चीज साथ-साथ चलती है। आप आज खा रहे है तो यह पहले की मेहनत है। कई करोड़पति व्यक्ति भोजन शांति से नहीं कर पाते है तो इसका कारण उन्होंने कही न कही अंतराय दी हुई है। जब ऐसा होगा तो सामने थाली परोसी हुई होगी लेकिन भोजन शांति से नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि जिंदगी में किसी को अंतराय नहीं देनी चाहिए। पगंत में बैठ गए व्यक्ति को उठाने की अंतराय मत देना ये स्वयं पर बहुत भारी पड़ेगी और वह शांति से भोजन नहीं कर पाएगा। थाली के साथ कभी अपनी टेंशन नहीं परोसनी चाहिए अन्यथा बहुत मुश्किल हो जाती है।

भाई का हिस्सा छीन सकते हो लेकिन भाग्य नहीं

समकितमुनिजी म.सा. ने कहा कि पहले बड़े भाई को पितातुल्य समझा जाता था। वर्तमान में हालात बदल गए है भाई-भाई के बीच विवाद का प्रमुख कारण बंटवारा है। एक भाई के भोलेपन का फायदा होशियार भाई उठा लेता है लेकिन यह जान ले कि भाई घर छिन सकता, हिस्सा छिन सकता लेकिन भाग्य नहीं छीन सकता। ये बात दिमाग में बैठ जाए तो विवाद की स्थिति बहुत सीमित हो जाएगी। परमात्मा महावीर के जीवन, भगवान कृष्ण के जीवन आदि से सीख सकते है कि भाई के साथ भाई का प्रेम कैसा होता है।

पंच दिवसीय प्रवचनमाला जुग-जुग जियो बुधवार से

पूज्य समकितमुनिजी ने बताया कि मंगलवार को धर्मसभा में भाईदूज के पर्व पर उससे जुड़े प्रसंगों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि बुधवार से पंच दिवसीय प्रवचनमाला जुग-जुग जियो शुरू होगी। इसमें बताया जाएगा किस तरह आशीर्वाद व दुआएं प्राप्त करके जीवन को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। ये प्रवचनमाला इच्छाकारणम पाठ पर आधारित होगी। उन्होंने कहा कि इस पाठ को अब तक बोलते आए है अब आराधना का पाठ बनाना है। इच्छाकारणम पाठ की आराधना सच्चे मन से हो जाए तो ये पाठ मुक्ति तक पहुंचा देता है।

चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2549 वां निर्वाणोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर, त्रिमूर्ति दिगम्बर जैन मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय, चंद्र प्रभु नसियां सहित कस्बे के सभी जिनालयों व फागी परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी,मेंदवास, नीमेडा तथा लदाना सहित सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में कार्तिक बुदी अमावस्या 25 अक्टूबर 2022 को प्रातः जैन धर्म के चोबीसवें भगवान महावीर स्वामी का 2549 निवाणोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

गया जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक शांतिधारा बाद अष्टद्रव्यों से पूजा हुई ,बाद में निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण के पश्चात भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक ''कार्तिक श्याम अमावस शिविर पावापुरी ते वरना''... के उच्चारण के साथ जयकारों के बीच समाज द्वारा सामूहिक रूप से श्री जी के समक्ष निर्वाण का लाडू चढ़ाया गया। कार्यक्रम में फागी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी रतन लाल घाबडधींगा, पूर्व सरपंच ताराचंद जैन, प्यार चंद पीपलू,कैलाश कलवाड़ा, केलास चंद उनियारा, सोहनलाल झंडा, रमेश बावड़ी, त्रिलोक पीपलू,सुनील मोदी, राजकुमार नला, तथा राजाबाबू गोधा सहित सारा समाज व महिलाओं ने सहभागिता निभाते हुए पुण्यार्जन प्राप्त किया।

48 दीपक से 48 मण्डल पर भक्तामर अनुष्ठान 28 अक्टुबर को सायं 6 बजे से

आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे होगा विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे होगा विधान जयपुर। आचार्य श्री सुनील सागर जी वर्षायोग समिति एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा आचार्य श्री सुनील सागर जी के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे शुक्रवार 28 अक्टूबर को 48 दीपक से 48 मण्डल पर भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन सायकाल 6 बजे से भव्य समारोह के अंतर्गत संगीत व भक्ति के साथ किया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या व महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि यह कार्यक्रम रीजन द्वारा प्रत्येक माह विभिन्न ग्रुपो के सहयोग से किया जा रहा हैं । इस बार इस 7वा विधान का आयोजन रीजन द्वारा सन्मति ग्रुप के सौजन्य से आचार्य श्री सुनील सागर जी वर्षायोग समिति के सहयोग से किया जायेगा। संयोजक राजेश पाटनी व मनीष लोग्या ने बताया कि कार्यक्रम मे चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर्ता शांति कुमार- ममता सोगानी जापान वाले होंगे। जिनवाणी विराजमान कर्ता श्रीमती बुलबुल कवर धर्मपत्नी स्वर्गीय नेमिचंद गंगवाल, राजेश - जैना, राकेश - रोशनी गंगवाल तथा मुख्य मंडल दीप प्रज्वलन कर्ता श्रीमती प्रकाश देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री ब्रजमोहन जैन, विनोद - शशि जैन तिजारिया होंगे। सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका व सचिव अनिल-प्रेमा रावका ने बताया कि कार्यक्रम मे प्रसिद्ध गायक पंडित विकर्ष जैन सलेहा सतना मध्य प्रदेश निवासी तथा अशोक गंगवाल व श्रीमती समता गोदिका द्वारा संगीत व भक्ति के साथ भव्यता के साथ होगा। समारोह का शाबाश इण्डिया यूट्यूब चैनल व फेसबूक पर लाईव प्रसारण किया जायेगा।

भगवान महावीर निर्वाण उत्सव पर हुई विशेष प्रवचन सभा

भगवान महावीर ने सम्पूर्ण विश्व को अहिंसा का सिद्धान्त प्रदान किया: आचार्य विनित सागर जी

कामां. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के उन्नायक, अहिंसा के अवतार,जियो और जीने दो सिद्धांत के प्रतिपादक, वर्तमान शासन नायक व अंतिम 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2549 वें निर्वाण कल्याणक पर विजय मती त्यागी आश्रम में गुरु भक्ति के दौरान जैन आचार्य विनीत सागर महाराज के विशेष प्रवचन सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया तो श्रीमती मनीषा जैन ने मंगलाचरण किया। इस अवसर पर संजय जैन सर्राफ, रेखा जैन एव कुसुम जैन ने भगवान महावीर के सिद्धांत,एवं संदेश पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि भगवान महावीर ने अहिंसा का सिद्धांत सम्पूर्ण विश्व को प्रदान किया जिसकी वर्तमान में महत्ती आवश्यकता दृष्टि गोचर होती है। आचार्य ने भगवान महावीर के जीवन को विवेचित करते हुए कहा कि भगवान महावीर के पांच नाम 'वर्धमान, सन्मति, वीर ,अतिवीर और महावीर' थे। आचार्य ने कहा कि पंचशील का सिद्धान्त यथा अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह ब्रह्मचर्य प्रतिपादिक किया, स्वादवाद और अनेकांतवाद का सिद्धांत विश्व को दिया और सबसे महत्वपूर्ण जियो और जीने दो के अमर संदेश हमें दिया।

भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक पर श्रद्धालुओं ने जयकारे के साथ चढ़ाया निर्वाण लड्डू

मोहन सिंघल. शाबाश इंडिया

टोंक. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2549 वा मोक्ष कल्याणक पर श्री दिगंबर जैन नसिया में मंगलवार को धूमधाम एवं हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक पर्व पर बड़ा तख्ता जैन मंदिर में अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात श्री दिगंबर जैन नसिया में अभिषेक ,शांतिधारा के पश्चात श्रावको के द्वारा भगवान महावीर स्वामी की पूजा अर्चना की गई । तत्पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा निर्वाण कांड बोलकर निर्वाण लड्डू चढ़ाया । दोपहर में जैन समाज के लोगों ने भगवान महावीर स्वामी ,गौतम गणधर, एवं सरस्वती जिनवाणी मां की पूजा घर- घर पूजा अर्चना कर एक दूसरे को बधाइयां दी । इस मौके पर समाज के श्याम लाल जैन, मिट्ठू लाल नंदलाल संघी, वीरेंद्र संघी, देवेंद्र आंडरा, नीटू छामुनिया, धर्मचंद दाखिया, अंकुर पाटनी,महावीर जैन, रमेश काला, पूर्व प्राचार्य एस एम सिंहल,महासमिति के उपाध्यक्ष नवीन जैन आदि श्रद्धालु उपस्थित थे ।

वेद ज्ञान

मानवता में वृद्धि करने वाला हो विकास

विकास आज सबसे अधिक चर्चित शब्द है। प्रायः सभी लोगों को इसके बा आकर्षण के प्रति आंदोलित हुए देखा जा सकता है। बड़ा व सुविधायुक्त घर, गाड़ी, आभूषण व विलासिता की अन्य वस्तुओं का संग्रह विकास के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। जबकि विकास का व्यावहारिक पक्ष अत्यन्त सादगीपरक व जीवन की मूलभूल आवश्यकताओं के उपभोग तक सीमित होना चाहिए। विकास की सत्यता को सद्गुणों, सद्विचारों पर चलने वाला ही समझ पाता है। प्रतिदिन मानवीय जीवन में एक नवीन व कल्याणकारी विचार को स्थान दिया जाए तो विकास है। शिक्षा के गुणसूत्र विद्यार्थी जीवन में भलीभांति प्रतिष्ठित होते हैं तो समाज को श्रेष्ठ विचारक मिलेंगे। विचारकों का दृष्टिकोण विकास के प्रति सदैव संतुलित रहता है। वे विकास को बढ़ाने वाले ज्ञान-विज्ञान के पक्षधर होते हैं। जहां ज्ञान-विज्ञान का विस्तार अभिशापित होना प्रारंभ हुआ, वहां विकास के वास्तविक विचारकों का अभाव होता है। विकास किसका होना चाहिए? वस्तुओं या उनका उपभोग करने की व्यवस्थाओं का या फिर वस्तु निर्माताओं, प्रयोक्ताओं के व्यक्तित्व का? अपने अस्तित्व के प्रादुभाव से ही मनुष्य अपनी विकास आकांक्षा के प्रति अतिजिज्ञासु रहा है। समझना यही है कि सबसे उपयुक्त व्यक्ति विकास को किस रूप में स्वीकार करता है? क्या वह अपने चारों ओर स्थूल सामग्रियों का अंबार लगाना चाहता है? या युगचक्र की गति के साथ-साथ अपने विचारों को भी बढ़ाना चाहता है? वास्तव में सामग्रियों की अधिकांश उपलब्धता और उनके अनुचित प्रयोग की मानवीय प्रवृत्ति को विकास धारणा के अंतर्गत शुमार नहीं किया जा सकता। सच तो यह है कि विकास व्यक्ति के विचारों का विस्तार है। व्यक्ति अपने जीवन में इतनी विचारशक्ति अर्जित करे कि वह जीवन की सहजता को आत्मसात करने योग्य हो सके। वह छोटे बच्चों को जीवन की इस विद्या का अनुकरण करने की शिक्षा दे।

संपादकीय

प्रदूषण दुनियाभर में चिंता का विषय

मौजूदा दौर में पर्यावरण में प्रदूषण दुनिया भर में चिंता का विषय बना हुआ है। इसे लेकर कई स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं। ऐसे में अगर किसी भी वजह से प्रदूषण में बढ़ोतरी की स्थिति आती है तो यह हर व्यक्ति, समुदाय और देश के लिए घातक है। विडंबना है कि लगातार जताई जाने वाली चिंता के बावजूद आम लोगों को इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा नहीं हो पाता है और वे अपने ऊपर नियंत्रण नहीं रख पाते। हालांकि सीमित संख्या में ही सही, कुछ लोगों ने इस समस्या के चिंताजनक नतीजों को लेकर सोचना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि आमतौर पर दिवाली की रात जहां व्यापक प्रदूषण के चलते सबके लिए घातक बन जाती थी, वहीं इस साल इसमें थोड़ी राहत देखी गई। यों दिल्ली सरकार की ओर से सख्ती की घोषणा के बावजूद लोगों ने जम

कर पटाखे जलाए और स्वाभाविक ही इसका असर वायु की गुणवत्ता पर नकारात्मक पड़ा, फिर भी अन्य सालों की अपेक्षा इस साल आतिशबाजी के मामलों में तीस फीसद की कमी दर्ज की गई। कहा जा सकता है कि हर साल दिवाली के मौके पर प्रदूषण की गंभीरता से उपजे हालात को याद करके कुछ लोगों ने इस बार पटाखों से दूरी बनाई, मगर कुल मिला कर वायु के प्रदूषित होने पर इसका जो असर पड़ा, उसके मद्देनजर इसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री के मुताबिक, मंगलवार यानी दिवाली के अगले दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक 323 रहा, जबकि पिछले साल यह 462 था। जाहिर है, दिल्ली में ऐसे लोगों की संख्या इस बार कुछ बढ़ी है जो आतिशबाजी की वजह से गहराने वाले प्रदूषण को लेकर सचेत थे। मगर वायु गुणवत्ता सूचकांक अब भी खतरनाक स्तर पर चिंताजनक बना हुआ है। निश्चित तौर पर एक विश्वव्यापी समस्या के समाधान के लिए जो रास्ते बताए जा रहे हैं, उसमें सहभागिता करने के लिए समाज का एक छोटा-सा हिस्सा ही सही, आगे आ रहा है। लेकिन यह ध्यान रखने जरूरत है कि इस तरह के सकारात्मक बदलाव की प्रवृत्ति जब मुखर होने लगती है तब सरकारों को भी अपनी भूमिका निभाने के लिए खुद को सक्रिय करना चाहिए। यह छिपा नहीं है कि दिवाली में आतिशबाजी को लोग एक अनिवार्य चलन मान कर चलते हैं, लेकिन इसी क्रम में होता यह है कि पटाखों के बारूद का धुआं गांव-शहर में हर स्तर की बस्तियों में रहने वालों के लिए दमघोंटू हालात पैदा कर देता है। हर साल दिवाली के अगले दिन सांस की तकलीफ से जूझते लोगों का चिकित्सक के पास या अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचना एक आम रिवायत-सी बन गई है लेकिन इस साल दिवाली के बाद दिल्ली के अस्पतालों में सांस की तकलीफ के मामले पिछले साल के मुकाबले कम आए। यों यह भी तथ्य है कि सांस की परेशानी से जुड़ी समस्या की स्थिति में कई बार लोग अस्पतालों का रुख तभी करते हैं, जब उनकी हालत ज्यादा खराब हो जाती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सुनक की ताजपोशी

सुनक की जड़ें अविभाजित भारत से जुड़ी हैं। वे धर्मनिष्ठ हिंदू हैं। इस तरह औपनिवेशिक सत्ता के बरक्स एक भारतीय मूल के व्यक्ति का ब्रिटिश हुकूमत के शीर्ष पर पहुंचना समय के पलटने के रूप में भी देखा जा रहा है। अमेरिका में कमला हैरिस उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचीं तब भी ऐसा ही गर्व अनुभव किया गया। सुनक से भारत की उम्मीदें सहज ही जुड़ी हुई हैं। मगर ब्रिटेन की सुनक से उम्मीदें दूसरी हैं। वहां के सांसदों ने उनमें एक ऐसे दक्ष प्रशासक के गुण देखे हैं, जो एकता और स्थायित्व की दिशा में कारगर साबित हो सकता है। लिज ट्रस पैंतालीस दिनों में ही वहां की चरमरा चुकी अर्थव्यवस्था को संभालने से हार मान बैठीं। दरअसल, इस वक्त ब्रिटेन अर्थव्यवस्था के मामले में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। महंगाई वहां चरम पर पहुंच चुकी है और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से ऊर्जा मामलों में उसे अपनी जरूरतें पूरी करना मुश्किल साबित हो रहा है। बिजली के दाम आम लोगों की क्षमता से बाहर निकल चुके हैं। ऐसी स्थिति में ब्रिटिश सरकार के पास दो ही आसान रास्ते हैं कि वह करों में बढ़ोतरी और खर्चों में कटौती करे। मगर ये दोनों कदम जोखिम भरे हैं। सुनक वित्तमंत्री रह चुके हैं और उनके पास अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के कुछ नुस्खे हैं, जिन पर वहां के लोगों को भरोसा है। हालांकि किसी भी नए शासक के पास कोई जादू की छड़ी नहीं होती, जिसे घुमा कर एकदम से खराब अर्थव्यवस्था को सुधार दे। बेशक सुनक के पास कुछ बेहतर उपाय हो सकते हैं, मगर उनके लिए ब्रिटेन को वर्तमान स्थितियों से बाहर निकालना आसान काम नहीं होगा। फिर देश की स्थिति संभालने के साथ-साथ उन पर पार्टी की छवि सुधारने का दारोमदार भी है। अगर उनकी सरकार खर्चों में कटौती का फैसला करती है, तो आम लोगों में विद्रोह फूट सकता है। अभी स्थिति यह है कि लोगों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं, बड़ी संख्या में छोटे कारोबार बंद हो गए और होते जा रहे हैं, पौंड की कीमत चिंताजनक स्तर पर गिर चुकी है, वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगी हैं, लोगों को चिंता है कि सर्दी में घर गरम करने के लिए वे बिजली का खर्च कैसे जुटाएंगे। मगर व्यापारिक संबंधों को बेहतर बना कर वे इस दलदल से शायद जल्दी बाहर निकल सकें। पिछले कुछ सालों में भारत और भारतीय मूल के लोगों के प्रति वहां के नागरिकों में कुछ नकारात्मक भावनाएं भरनी शुरू हो गई थीं, जिन्हें सुनक दूर करने में कारगर साबित होंगे। अभी लेस्टर में हुए सांप्रदायिक दंगों से भी वहां के उदारवादी लोकतांत्रिक ताने-बाने को चोट पहुंची है। सुनक ने स्पष्ट कर दिया है कि वे भारत के साथ व्यापारिक समझौतों को पूरी मजबूती के साथ लागू रखेंगे और कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। सुनक युवा हैं और पूरी ऊर्जा से भरे हुए हैं। इस तरह उनसे बेहतर प्रबंधन की उम्मीदें अधिक हैं। वित्तमंत्री रहते हुए उन्होंने अर्थव्यवस्था के लिए जिन बदलावों की सलाह दी थी, उन्हें नहीं माना गया और वही हुआ, जिसकी आशंका उन्होंने जताई थी। अब उन्हें उन सुझावों पर अमल का मौका है। निस्संदेह उनमें ब्रिटेन को आर्थिक दलदल से बाहर निकालने और उसे सामाजिक रूप से बिखने से रोकने का माद्दा नजर आता है

॥श्री आदिनाथाय नमः॥

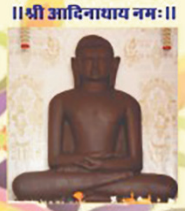

आचार्य श्री सुनील सागर वर्षायोग समिति– 2022 एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

के संयुक्त तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा

आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी के सानिध्य में

रिद्धि–सिद्धि मंत्रों से दीप प्रज्ज्वलन के साथ

भक्तामर पाठ 48 मण्डलों पर

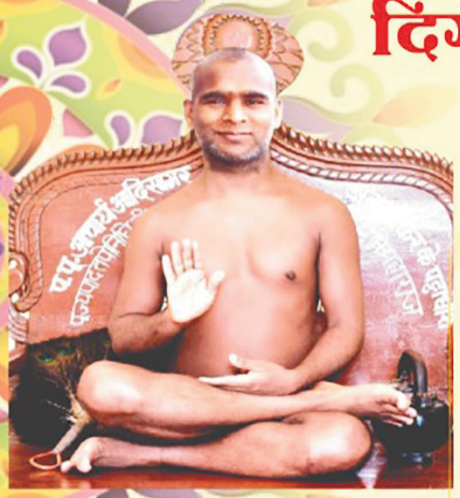

शुक्रवार, दिनांक : 28 अक्टूबर 2022
समय : सायं 6.00 बजे से
स्थान : भट्टारक जी की नसियॉ, जयपुर

चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्री शांति कुमार जी-ममता जी सोगानी
जापान वाले

जिनवाणी विराजमानकर्ता

श्रीमती बुलबुल कंवर पत्नी स्व.श्री नेमीचन्द जी गंगवाल
श्री राजेश जी-जैना जी गंगवाल, श्री राकेश जी-रोशनी जी गंगवाल

मुख्य माण्डल दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी स्व. श्री बृजमोहन जी जैन
श्री विनोद जी-शशि जी जैन तिजारिया

विशेष आकर्षण
प्रसिद्ध गायक
कवि हृदय पं. विकर्ष जैन
सलेहा सतना (म.प्र.)

गायक :
श्री अशोक गंगवाल
(साड़ीघर वाले)
श्रीमती समता गोदिका

संयोजक :-
मनीष- शोभना लोंग्या
राजेश-रानी पाटनी

निवेदक

आचार्य श्री सुनील सागर वर्षायोग समिति– 2022

(अन्तर्गत- श्री दिगम्बर जैनमुनि संघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर)

अध्यक्ष देवप्रकाश खण्डाका
मुख्य संयोजक रूपेन्द्र छाबड़ा, राजेश गंगवाल
मुख्य समन्वयक राजीव जैन (गाजियाबाद वाले)
कोषाध्यक्ष मुकेश जैन
प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल
मंत्री ओमप्रकाश काला (मामाजी)

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

अध्यक्ष राजेश बडजात्या
संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, IPS
निवर्तमान अध्यक्ष यश कमल अजमेरा
कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन
महासचिव निर्मल संघी
पूर्व अध्यक्ष अतुल बिलाला
वरिष्ठ परामर्शक महेन्द्र कुमार पाटनी
परामर्शक सुरेन्द्र कुमार पाण्डया
परामर्शक व प्रभारी नवीन सेन जैन

सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

आयोजक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका
परामर्शक दिनेश-संगीता गंगवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या
कोषाध्यक्ष अनिल-अनिता जैन
सचिव अनिल-प्रेमा रांवका
उपाध्यक्ष सुनील-सुनीता गोदिका
उपाध्यक्ष महेन्द्र-सुनीता कासलीवाल
संयुक्त सचिव राकेश-रेणु संघी
संयुक्त सचिव राजेश-रितु छाबड़ा
सांस्कृतिक सचिव कमल-मंजू ठोलिया

कार्यकारिणी सदस्य- अनिल-निशा संघी, प्रदीप-प्राची जैन, राजेश-रानी पाटनी, डॉ. अनामिका-चेतन पापड़ीवाल, कुसुम-राजेन्द्र जैन

विशेष आमंत्रित सदस्य अशोक सेठी

इंद्रियों पर ढक्कन लगाने की चेष्टा करो: आचार्य श्री सुनील सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में चारों तरफ हरीतिमा और उस हरीतिमा के बीच भट्टारकजी की नसिया में विराजे भगवान ऋषभदेव और यहीं आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित चातुर्मास आराधना साधना पूर्वक बहुत ही उज्जवल रूप से चल रही है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया।पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे बांसवाड़ा पारसोला व दिल्ली, नरवाली से आए सभी श्रावकों ने एवं अन्य बाहर से पधारे श्रावको ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया , मंगलाचरण अनीता सौगाणी व प्रासुक जैन द्रव्य जैन ने किया व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया । चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि बांसवाड़ा से पधारे नीरव शाह परिवार ने गुरुवर से निवेदन करते हुये आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण कर भक्ति भाव से गुरुवर की पूजा की ।तथा जनकपुरी जैन समाज के सभी समाज बंधुओं ने उपस्थित होकर आचार्य श्री के सम्मुख श्रीफल भेंट करते हुए निवेदन किया भगवान संपूर्ण संघ के साथ जनकपुरी में पधारने की कृपा करें चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य श्री के चरण पखारे बांसवाड़ा के नीरव शाह परिवार ने। पूज्य गुरुवर जी को जिनवाणी शास्त्र भैंट किया गया। राम कथा को सुनना और श्रवण करना मन को आनंद देता है उसी तरह से प्रभु वीर की कथा को आचार्य भगवंत के श्री मुख से सुनकर संपूर्ण समाज के लोग आनंद मगन हो गए।पूज्य आचार्य भगवंत अपने मंगल उद्बोधन हेतु उपदिष्ट हुए। जिन्हें स्वाध्याय की रूचि है तत्व को जानना चाहते हैं जो इंसान होकर भी ऐश्वर्या में ही मगन हैं तो आप कर्मफल को भोग रहे हैं। कर्म दो प्रकार के हैं शुभ कर्म और अशुभ कर्म। कर्म तो करना ही है कर्म करोगे तो फल अवश्य मिलेगा, कर्म करने से ही फल मिलता है । जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल की प्राप्ति होगी ।प्रभु वर्धमान स्वामी कहते हैं बुरा मत सोचो। अगर बुरा सोचोगे नहीं ,तो बुरा देखोगे भी नहीं ,बुरा सुनोगे भी नहीं बुरा कभी करोगे भी नहीं ।ढक्कन आंख पर भी, मुंह पर भी कानों पर भी नहीं है ,परंतु आपका ध्यान शुभ होना चाहिए ,इंद्रियों पर ढक्कन लगाने की चेष्टा करो। वास्तव में जब धर्म की रुचि होती है तत्व की रूचि होती है तो संसार के सभी रस बेरस लगने लगते हैं। सौभाग्यशालीओं चेतना अनादिकाल से आत्मा कभी भरत क्षेत्र में ,कभी विदेह क्षेत्र में कभी अमेरिका में तो कभी जापान में उत्पन्न होती रही है ।कभी स्वर्ग चले गए तो कभी नर्क चले गए। प्रभु महावीर स्वामी के जीवन से ही मालूम कर लो ऐसे प्रतापी महावीर को भी अनेक योनियों भोगनी पड़ी हैं ।जैसे कर्म करते हैं वैसे उदय में आते हैं अतः सद् कर्म करना चाहिए ।

तप, त्याग एवं तपस्था से संयम पुष्ट होता है: आर्यिक विज्ञाश्री

24वें तीर्थंकरी भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक मनाया गया

निवाई. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर निवाई मे गुरु माँ विज्ञा श्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में 25 अक्टूबर 2022 को जैन धर्म के 24वें तीर्थकर भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक मनाया गया। इस अवसर पर आर्यिका श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संयम ही जीवन है। इस वाक्य से जीवन की सहायता एवं सरलता टपकती है। असंयम मृत्यु के समान है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए संयम आधारभूत तत्व है। जैसे रेलगाड़ी पटरी पर चलने का संयम रखती हुई गंतव्य स्थान तक सहजता से पहुंचती है। ठीक उसी प्रकार जीवन की गाड़ी भी संयम की पटरी पर चलकर जीवन सरिता से पार हो सकती है। संयम की प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यकता है। खान-पान का संयम, उठने-बैठने का संयम, बोल-चाल का संयम, दृष्टि का संयम ये सब हमारे जीवन व्यवहार के घटक है, हमारे व्यक्तित्व के घोतक है। तप, त्याग एवं तपस्था से संयम पुष्ट होता है। अगर खान-पान का संयम न हो तो तकलीफ न केवल पेट को होगी अपितु शरीर के अन्य अंग भी प्रभावित होंगे। अतः जैसा खाए अन्न, वैसा होए मना जैसा पीए पानी वैसी होए वाणी। का गहरा संबंध है। जैसा भोजन वैसा न्यूरो ट्रांसमीटर ▮▮▮▮▮ हो स्राव जैसे स्राव वैसे भाव । अतः उच्च विचार रखने के लिए खान-पान का संयम अति आवश्यक है। खान-पान के साथ-साथ उठना- बैठना, गति-प्रगति, चाल-ढाल भी व्यक्तित्व का घोतक है। इन सभी क्रियाओं प्रत्येक क्रिया के साथ भाव क्रिया को जोड़े तो जागरूकता बढ़ती है। अगर जीवन में जागरूकता विद्यमान है तो व्यक्ति पल-पल सजगता एवं आनंद का अनुभव करता है।

श्री राजेश-श्रीमती प्रीती जैन बाकलीवाल

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(27 अक्टुबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका,
परामर्शक: दिनेश - संगीता गंगवाल,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या,
सचिव: अनिल - प्रेमा रांवका,
कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन
एवं समस्त सदस्य

दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

उदयपुर में 1000 किलो गाय के गोबर से बना 11 गुणा 11 फीट का गोवर्धन आकर्षण का केंद्र बना

चर्चा में रहे शहर में सबसे विशाल गोवर्धन

विद्याभवन कृषि विज्ञान केन्द्र, बडगांव, उदयपुर के डेयरी पर संभाग का 11 गुणा 11 फीट का सबसे बड़ा गोवर्धन बनाकर पूजा गया। विद्याभवन के संजय धाकड़ ने बताया कि यह पूजा प्रक्रिया पिछले 40 साल से बदस्तूर सतत जारी है। इस साल यहां पाली जा रही करीब पौने दो सौ से अधिक गायों के 10 किवंटल गोबर (दो ट्रेक्टर ट्रोली) से श्री कृष्ण और बलराम स्वरूप को पांच लोगों ने चार घंटे समय और श्रम से मक्की के दाने, घास (सानी), फूलों-मालाओं आदि से सजाकर तैयार किया। इसके बाद पंडित द्वारा विधि पूर्वक पूजन प्रक्रिया संपन्न हो जाने पर गायों को गोवर्धन के ऊपर से रौंदते हुए निकाला गया। पूजा के दौरान भगवान को रोली, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि चढ़ाया गया। खील बताशे, अन्नकूट, कढ़ी चावल और 56 भोग लगाए और गोवर्धन की कथा पढ़ी सुनाई गई। इसके बाद गोबर से तैयार गोवर्धन की परिक्रमा के साथ पूजा संपन्न हुई। पूजन के समय डॉ. प्रफुल चन्द्र भटनागर, संस्था प्रमुख गोपाल बम्ब, विद्याभवन के पूर्व छात्र एवं अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

फोटो एवं रिपोर्टः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइलः 9829050939

घर-गली मोहल्ले में भी पूजा हुई गोर्वधन की

उदयपुर. शाबाश इंडिया

दिवाली के दूसरे दिन देश के अधिकांश प्रांत और शहरों में गोवर्धन पूजा धूमधाम और उल्लास से की जाती है। ऐसा माना जाता है इंद्रदेव ने अपना रुतबा दिखाने जब मथुरा और वृंदावन में तेज बारिश की तो भगवान कृष्ण ने अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को सात दिन तक उठाकर ग्रामवासियों की रक्षा की। इसीलिए ऐसी भी मान्यता है कि दिवाली के बाद अगर कृष्ण के सम्मान में गोर्वधन पूजा की जाए तो घर में सुख समृद्धि आती है। दरअसल, इस साल दिवाली पर सूतक काल और बाद में सूर्य ग्रहण के कारण दो दिन बाद यानि दूज की तिथि पर शहर और आसपास क्षेत्र में बुधवार सुबह गोवर्धन पूजा की गई। हालांकि कई जगह दोपहर बाद दूज तिथि लगने के कारण भाई बहिन के स्नेह का प्रतीक भैया दूज पर्व भी मनाया गया।

जिला प्रभारी मंत्री ने शहीद मेजर बोहरा को दी श्रद्धांजलि

जयपुर. कासं। उदयपुर जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने सोमवार को शहीद मेजर मुस्तफा बोहरा के निवास पर पहुंचे। उन्होंने शहीद मेजर को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी शहादत को नमन किया और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर समाजसेवी वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत, जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा, जिला परिषद सीईओ मयंक मनीष, समाजसेवी लालसिंह झाला, गिर्वा एसडीएम सलोनी खेमका सहित विभिन्न गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आपको और आपके परिवार को
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

विमलादेवी धर्मपत्नी
स्व बालकृष्ण पारीक सूरत (खतवाड़ी वाले)

डॉ सरिता पारीक, डॉ कोमल पारीक,
बच्चन, कैलास, जुगल, राम अवतार, मगन पारीक

जगदंबा क्रियेशन • स्टारटोस हेल्थकेर प्राइवेट लिमिटेड
• हरप्रीत मेडिकल स्टोर • ग्रीन क्रॉस मेडिकल • श्रुति फार्मेशी
• खुशी ड्रग्स हाऊस • सूर्या मेडिकल स्टोर • ब्लू सोडा और आइस्क्रीम
• यूनिटी लैब ग्रोविंग डायमंड • कुंजल क्रिएशन

भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव, आर्यिका संगीत मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में जोर शोर से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में वर्तमान शासन नायक श्री 1008 भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव, आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या आर्यिका श्री 105 संगीत मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में श्रद्धा व भक्ति भाव से मंगलवार को मनाया गया। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की जैन धर्म के चोबीसवे तीर्थंकर भगवान महावीर को पालकी से लाकर पांडाल में पाण्डु शिला पर विराजित किया जहाँ अभिषेक, विश्व शांति हेतु बीजाक्षर युक्त वृहत शान्तिधारा हुई जिसका धर्म लाभ राज कुमार जी बाकलीवाल परिवार की मिला। आर्यिका संगीत मति माताजी के श्री मुख से ही इसके बाद भगवान महावीर की जय कारो के बीच साज बाज के साथ संगीत मय पूजन कर निर्वाण काण्ड वाचन के बाद समाज द्वारा निर्वाण लाडु चढ़ाया गया। निर्वाण लाडु चढ़ाने का पावन सोभाग्य पदम पारस पहुप बिलाला परिवार व चंद्र प्रभा शाह परिवार को मिला। चोबीसवे तीर्थंकर के लिए मुख्य लाडु के अलावा चोबीस परिवारों द्वारा चोबीस विशेष लाडु चढ़ाए गए साथ ही इस 2549 वे निर्वाणोत्सव के सुअवसर पर 49 दीपक से विशेष महा आरती केसर देवी मित्रपूरा परिवार द्वारा की गयी ।सबसे पहले मन्दिर जी की वेदी में विराजित पाषाण प्रतिमा पर अभिषेक शांति धारा की गयी । आर्यिका माताजी ने अपने आशीर्वचन में भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में उतारने हेतु व जैन धर्म के मूल गुणो के पालन के लिए कहा। माताजी ने अपनी गुरु गौरव मति माताजी को भी याद किया जिनका जनक पुरी से विशेष जुड़ाव रहा। साथ ही अगले वर्ष 2550 वाँ निर्वाण महोत्सव विश्व स्तर पर मनाने बाबत बताया। महिलाओं ने माताजी का पाद प्रक्षालन व आरती कर स्वागत किया। मन्दिर जी में चोदस को भक्तामर दीप अर्चना हुई तथा घर घर से परिवारों ने दीपक लाकर मन्दिर को जगमगाय मान किया ।समाज के परिवारों द्वारा दीपावली पर घरों पर भगवान महावीर के निर्वाण की पूजा व गौतम गणधर की पूजा दीपक आदि के साथ अष्ट द्रव्यों से श्रद्धा के साथ की गयी।

गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2549 वें मोक्ष कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सामूहिक निर्वाण लाडू मंगलवार 25 अक्टूबर 2022 को श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा जयपुर में परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में बड़े हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव से प्रातः 7.30 बजे चढ़ाया गया। इस कार्यक्रम में श्री सम्मेद शिखर जी एवं पंच पहाड़ी की यात्रा पर जाने वाले टी. सी. जैन सवारिया वाले एवं उसके 47 यात्रियों के दल ने माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि सभी यात्रियों का तिलक, माला, एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। स्वागत में ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी कार्याध्यक्ष भाग चन्द जैन बाकलीवाल, उपाध्यक्ष सुनील कुमार जैन संगही, नरेश कुमार जैन बाकलीवाल, विमल चन्द जैन बड़जात्या, महावीर प्रसाद जैन बाकलीवाल, श्रीमती रेखा पाटनी एवं सदस्यों के साथ महिला मण्डल दुगार्पुरा की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया, मंत्री रानी सौगानी, संरक्षक श्रीमती चंदा सेठी आदि उपस्थित रहे।

पंडित टोडरमल स्मारक भवन में धूमधाम से मनाया वीर निर्वाण महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी का 2449 वां निर्वाण महोत्सव जयपुर के बापू नगर में स्थित ज्ञान तीर्थ पंडित टोडरमल स्मारक भवन में मंगलवार दिनांक 25-10-2022 को बहुत धूमधाम से मनाया गया। पंण्डित टोडरमल स्मारक भवन स्थित पंचतीर्थ जिनालय में भगवान महावीर स्वामी की निर्वाण स्थली पांवापुरी जी रचना पर मंगलवार को प्रातः 7 बजे भगवान महावीर स्वामी की भव्य खड्गासन प्रतिमा के अभिषेक करने के पश्चात देश-शास्त्र -गुरू एवं महावीर स्वामी की संगीतमय पूजा उपरान्त डा . शांति कुमार जी पाटिल के निर्देशन में सामूहिकरूप से सस्वर

निर्वाण काण्ड का पाठ बोल कर सर्वप्रथम पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्षः सुशील कुमार गोदिका , डा.हुकम चन्द भारिल्ल, डा.शांति कुमार पाटिल, पंडित शुद्धात्म प्रकाश भारिल्ल, पंडित अध्यात्म प्रकाश भारिल्ल, हीरा चन्द बैद, पवन बज , मनोज शाह ने संयुक्त रूप से निर्वाण श्रीफल की थाली से निर्वाण लाडू चढ़ाया साथ ही उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव के जयकारों के साथ निर्माण लाडू चढ़ाया। संगीतमय पूजा में रिमांशू शास्त्री, अंकित शास्त्री एवं आयुष शास्त्री के मधुर गायन से समूचा वातावरण भक्तिमय हो गया। 8.30 पर सीमंधर जिनालय में हीरा चन्द बैद के निर्देशन में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया एवं महावीर स्वामी की आरती करी। तत्पश्चात अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तार्किक विद्वान डा.हुकम चन्द जी भारिल्ल का दीपावली पर हुए विशेष व्याख्यान को आफलाइन एवं आनलाइन पर हजारों श्रद्धालुओं ने सुनकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

त्रिवेणी नगर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाणोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में विश्व बन्ध भगवान महावीर स्वामी का 2549वां निर्वाणोत्सव मंगलवार को भक्तिभाव से मनाया गया। प्रातःसर्वत्र सुख शांति की मंगल कामना हेतु मंत्रोच्चारण के बीच भगवान के प्रथम अभिषेक, व शांतीधारा का सौभाग्य धर्मश्रेष्ठी अखिलेश जी, आशीष, मोहित बज परिवार को प्राप्त हुआ व पूजा अर्चना हुई। तत्पश्चात सामुहिक मन्त्रों का उच्चारण निर्वाण काण्ड बोलते हुए भगवान महावीर के मोक्ष कल्याण कार्तिक अमावस शिवतिय पावापुर ते वरना...के उच्चारण के बीच निर्वाण का श्रावको' द्वारा लडडू चढाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजगण, समिति, महिला मड़ल, युवा मंडल के पदाधिकारी सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस मौके पर पूरा परिसर भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा ।

चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर "पारस विहार, मोहनपुरा मुहाना मंड़ी" मानसरोवर मे निर्वाण महामहोत्सव मनाया

जयपुर। "देवश्रमण आचार्य श्री कुशाग्रनंदी गुरुदेव संसघ के आशीर्वाद से दिनांक 25.10.22 मंगलवार को महावीर भगवान के मोक्ष कल्याणक पर्व पर अतिशयकारी चिंतामणी पार्श्वनाथ भगवान केप्रात: 7.30 बजे अभिषेक 8.00 बजे शान्ति धारा होने के तत्पश्चात सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर, आस-पास की कालोनियों के आगन्तुक श्रेष्ठीजनो एवं पारस विहार कालोनी के श्रेष्ठीजनो ने सामूहिक महावीर भगवान का निर्वाण लड्डु चढा कर पुन्यार्जन किया।मंदिर समिति ने आगन्तुक सभी श्रेष्ठीजनो को अल्पहार कराया एवं अरुण-शशी बाकलीवाल, रेवड़ी वालो ने मंदिर जी में ध्वजारोहण किया इन सभी क्रार्यक्रमो में सभी श्रेष्ठीजनो ने मंदिर समिति को सहयोग प्रदान किया। उसके लिए समिति सकल जैन समाज को साधुवाद करती है।

भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक पर्व पर 108 रिद्धि मंत्रों से निर्वाण लाडू चढ़ाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा।बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक पर्व पर 108 रिद्धि मंत्रों से बड़े बाबा मूलनायक पद्मप्रभु भगवान सहित सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक, शांतिधारा कर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। प्रातः विकास कुमार पाटोदी एवं कैलाश चंद जैन परिवार ने बड़े बाबा मूलनायक पदम प्रभु भगवान पर, राकेश कुमार जैन ने आदिनाथ भगवान पर, चांदमल जी जैन परिवार ने मुनीसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की । श्रावको द्वारा अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। पूनम चंद सेठी के निर्देशन में भगवान महावीर की पूजा अर्चना कर निर्वाण कांड द्वारा पूनम चंद सेठी, अतिवीर, परिक्षीत सेठी परिवार ने मुख्य लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त किया ।इसके साथ ही श्रावको एवं समाजजनों ने लड्डू चढ़ाए। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि उत्साह, भक्ति देखते ही बनता है ।उन्होंने कहा कि समापन पर सभी जनों ने एक दूसरे को भगवान महावीर के मोक्ष कल्याण की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। रात्रि में भक्तामर की 48 दीपों द्वारा महाआरती की गई ।

5 दिवसीय नि :शुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। राजमल पाटनी चैरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता-मुंबई द्वारा प्रकाशचंद एवं उनके सुपुत्र आदित्य पाटनी के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर दिनांक 7 नवंबर से 11 नवंबर 2022 तक सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक पांड्या धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। जिसमे एक्यूप्रेशर व सुजोक विशेषज्ञ डॉ विनोद कुमार एवं उनकी टीम सेवाएं देंगे। शिविर प्रभारी महक पाटनी ने बताया कि शिविर के अंतर्गत जरूरतमंदों के लकवा, गठिया, माइग्रेन, साइटिका, सर्वाइकल ,इत्यादि रोगों का इलाज एक्यूप्रेशर पद्धति से किया जाएगा ।जिसके पोस्टर का विमोचन आज विधायक आवास पर सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल व श्री दिगम्बर जैन समाज के संरक्षक विमल कुमार पाटनी ने किया। इस अवसर पर विधायक मेघवाल ने कहा कि पाटनी परिवार व समिति द्वारा जो सेवा प्रकल्प जरूरतमंदों के लिए किए जा रहे है वो अतुलनीय है। जरूरतमंद इस शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष पार्षद उषा बगड़ा, मार्गदर्शक पारसमल बगड़ा,सचिव विनीत बगड़ा, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी, श्री दिगम्बर जैन समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, देहात कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विद्याधर बेनीवाल उपस्थित थे।

धार्मिक प्रभावना के साथ भगवान महावीर स्वामी जी के मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

बामनवास. शाबाश इंडिया

प्रातः काल की स्वर्णिम बेला और प्रकृति की गोद से उठता सूर्य ''भगवान महावीर'' की परि निर्माण बेला में सारे विश्व को आलोकित करता हुआ धरती पर उतर रहा है ' अंधेरे मे रोशनी की एक किरण खोजती मानवता को आज फिर महावीर की तलाश है, आज फिर प्यासी है जनता कि कोई वीर- महावीर बनकर आये और हिंसा के संलिप्त वातावरण में सूखे अधरों पर करूणा का नीर टपकाये और धरती एक बार फिर 'जिओ और जीने दो' के दिव्य उद् घोषों से गूंज जाय और अन्तरदीप की पूर्णता प्राप्त हो जाए।' यह अवसर है भगवान महावीर के 2549 वे परिनिर्वाण दिवस का इस अवसर पर जैन समाज पिपलाई द्वारा जैन धर्म के चौबीसवे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाणोत्सव तथा आचार्य सागर महाराज का समाधि दिवस और गुरू गौतम स्वामी केवलज्ञान महोत्सव पर दिगम्बर जैन मन्दिर मे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमे युवाओं जिनेन्द्र भगवान की शान्तिधारा करने का कार्य सौपा गया जिसमे युवाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और भगवान महावीर का मोक्ष निर्वाण और दीपोत्सव के तहत मन्दिर मे मंत्रोच्चार के साथ जयकारों के बीच 25 अक्टूबर को समग्र जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन और प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार जैन तथा मंत्री आशीष जैन के सानिध्य मे समाज के सभी श्रावक, श्राविकाओं ने पूरी धार्मिक प्रभावना के साथ सामूहिक रूप से निर्वाण लडू चाढ़ाया तथा साथ ही मे भगवान महावीर की अष्टद्रव्य से पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर समग्र जैन समाज के प्रवक्ता बृजेन्द्र जैन ने बताया कि इसी दिन अल्पसंख्यक वर्ग के जैन समुदाय के एक साथ कई महापुरूषों के दिवस और वीर निर्वाण संवत शुभारम्भ तथा आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी सहित साधु संतो के चातुर्मास का निष्ठापन एवं वर्षायोग का समापन भी हुआ 'पूरी दुनिया आज 2022 में ही पहुँची पर हमारी हिन्दू संस्कृति विक्रम संवत 2079 मे जी रही है और हमारा वीर निर्वाण संवत 2549 है ' हमे गर्व होना चाहिए कि हम सबसे आगे और अविराम है। इस अवसर पर धापू देवी जैन, रमेश जैन, विनोद जैन,मुकेश जैन,सुरज्ञान जैन, जिनेन्द्र जैन,अजय जैन,अमित जैन,अंकित जैन, अभिनन्दन जैन, नितिन जैन, आशा जैन, रजनी जैन,सुमनलता जैन, ललिता जैन, राजुल जैन,अनिता जैन, सपना जैन, एकता जैन, मेघा जैन, रशमी जैन आदि उपस्थित थे।

भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण लाडू, वर्षायोग निष्ठापन एवं पिछी परिवर्तन सम्पन्न

सतीश अकेला. शाबाश इंडिया

जयपुर। स्थानीय बरकत नगर में तेरहवा वर्षायोग विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धर्मोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। सर्व प्रथम वर्तमान शासन नायक देवाधिदेव भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महा महोत्सव के पावन अवसर पर समाज ने मन्दिर प्रांगण में वर्षायोग रत मुनि श्री स्वयंभू सागर एवं श्री अनुकरण सागर के सानिध्य में निर्वाण लाडू चढ़ाया तत्पशचात आपस में शुभकामनाए प्रेषित की व मुनि संघ का आशीर्वाद लिया। समिति के मंत्री निर्मल कुमार जैन व कोषाध्यक्ष सतीश जैन ने बताया कि आज ही वर्षा योग समापन की बेला में मंगल कलश निष्ठापन का कार्यक्रम भी सानन्द आयोजित किया गया जिसमे धर्म सभा उपरान्त मंगल कलशो को णमोकार भवन से मुनि सघ सहित अनेक समाज बन्धुओ के साथ शोभा यात्रा के रूप में पुण्यार्जक चक्रेश कुमार जैन ' सीए यथेष्ट सीए चिन्मय जैन परिवार के आवास ''श्रीफल'' में लाकर स्थापित किया गया। इसके बाद यही मुनि श्री स्वमभू सागर जी का पिछी परिवर्तन भी कराया गया पिछी गृहण करने का सौभाग्य पुण्यार्जन परिवार के जेष्ठ पुत्र सीए यथेष्ठ जैन को प्राप्त हुआ (ज्ञात रहे मुनि अनुकरण सागर जी का पिछी परिवर्तन उनके सोलह कारण वृत साधना के पारणा दिवस पर ही हो गया था)। वर्षायोग संयोजक सतीश जैन अकेला ने पधारे हुए समस्त साधर्मीयों का आभार व्यक्त करते हुए उनके पुण्यार्जन की बहुत बहुत अनुमोदना की। णमोकार भवन में आयोजित धर्म सभा को मोटीवेशनल स्पीकर सौरभ जैन ने संचालित किया। जानकारी के अनुसार संघ की शीर्घ ही मंगल विहार की संभावना है ।

भगवान महावीर के सिद्धांतों के पालन से ही विश्व का कल्याण संभव : आचार्य सुनील सागर

विश्व वन्दनीय भगवान महावीर का 2549 वां निर्वाणोत्सव भक्तिपूर्वक मनाया, चढ़ाया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2549 वां निर्वाणोत्सव मंगलवार,25 अक्टूबर को भक्ति भाव से मनाया गया इस मौके पर भट्टारक जी की नसियां में आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में राजस्थान जैन सभा जयपुर एवं आचार्य सुनील सागर चातुर्मास व्यवस्था समिति द्वारा मुख्य आयोजन तथा शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए। प्रातः8.00 बजे से राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद एवं चातुर्मास व्यवस्था समिति के पदाधिकारियों के नेतृत्व में भगवान महावीर की अष्ट द्रव्य से संगीतमय पूजा अर्चना की गई। निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण पश्चात भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक ''कार्तिक श्याम अमावस शिविर पावापुरी ते वरना.....'' के उच्चारण के साथ जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। सभा के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि आयोजन में समाजश्रेष्ठी राज देवी, एडवोकेट रुपिन-बरखा काला द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। मुख्य अतिथि अनुराग-कीर्ति पाटनी महावीर नगर तथा विशिष्ट अतिथि भाग चन्द, रितेश-सुमिता पाटनी, सूर्य नगर वालें थे। मुख्य निर्वाण लाडू अर्पण कर्ता शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले थे। इस मौके पर समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ अर्चना शर्मा ने आचार्य श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री सुनील सागर ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर के संदेश दुनिया में पहुंचेंगे तभी विश्व

आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में भट्टारक जी की नसियां में हुआ मुख्य आयोजन

का कल्याण होगा। भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्चे देश शास्त्र गुरु के चरणों में ही कल्याण हो सकता है। आचार्य श्री ने भ्रूण हत्या,कोख में ही संतान को मार देने को घोर पाप बताते हुए उपस्थित सभी श्रद्धालुओं से इस तरह का कृत्य नहीं करने का आव्हान किया। उन्होंने संस्था पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार से अल्पसंख्यक योजना के फायदे लेने,जैन संस्कृति की रक्षा के लिए जैन संस्कृति संरक्षण एवं कल्याण बोर्ड बनाने,जैन धर्मायतनो की रक्षा करने सहित समाज की एकता को मजबूत बनाने के कदम उठाये जाने चाहिए। आचार्य श्री ने भगवान महावीर के पूर्व भवों का पूर्ण वृतांत सुनाया। भगवान महावीर द्वारा राजकुमार के रुप में किये गये जन कल्याण कार्यों की जानकारी दी। अतिथियों का सम्मान राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', चातुर्मास कमेटी के महामंत्री ओम प्रकाश काला'मामाजी', राकेश छाबड़ा, रुपेन्द्र छाबड़ा'अशोक', राजेश गंगवाल, संयोजक मुकेश जैन ब्रह्मपुरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया। जिनवाणी स्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे। मंच संचालन इन्दिरा बड़जात्या एवं मनीष बैद ने किया। आभार महामंत्री मनीष बैद ने किया। **निर्वाण लाडू महोत्सव पर दिगम्बर जैन मन्दिरों में हुए विशेष आयोजनः** राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि मंगलवार,25 अक्टूबर को भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक दिवस एवं 2549 वां निर्वाणोत्सव मनाया गया। जैन के अनुसार मानसरोवर के वरुण पथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में, दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभू में गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी ससंघ के सानिध्य में, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में, गोवर्धन नगर के श्री वासूपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका विजय मति माताजी ससंघ के सानिध्य में, बरकतनगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मन्दिर में मुनि अनुकरण सागर,मुनि श्री स्वयं भू सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में तथा टौक रोड पर नांगल्या बीलवा के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ के सानिध्य में, चाकसू के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कोट में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में, झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आर्यिका सौम्य नन्दिनी माताजी ससंघ के सानिध्य में निर्वाणोत्सव मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।

दिगम्बर जैन मंदिर जनता कॉलोनी में निर्वाणोत्सव भक्ति पूर्वक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनता कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव भक्ति भाव के साथ निर्वाण कांड का पाठ करते हुए लडडू चढ़ा कर मनाया, इससे पहले भगवान के अभिषेक किए गए। जनता कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश पापड़ीवाल के अनुसार इस अवसर पर समाज के लोगों ने समारोह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संघी जी मंदिर सांगानेर मे निर्वाणोत्सव पर हुआ भव्य भक्तामर अनुष्ठान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघी जी सांगानेर मे 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव व गौतम गणधर के केवल ज्ञान प्राप्ति दिवस के पावन अवसर पर 48 दीपक के साथ भव्य भक्तामर पाठ अनुष्ठान का आयोजन किया गया। प्रबंध कारिणी कमेटी के अध्यक्ष प्रेमचन्द बज व महामंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि प्रबंध समिति के तत्वावधान में यह आयोजन भक्ति पूर्वक किया गया। संयोजक नरेन्द्र बज ने बताया कि इससे पूर्व प्रातः अभिषेक शांतिधारा के पश्चात निर्वाण कांड के पाठ के साथ भक्ति भाव से भगवान महावीर की प्रतिमा के सम्मुख निर्वाण लड्डू चढाया गया ।

भगवान महावीर स्वामी का 2549वा निर्वाण कल्याणक मनाया

भगवान को सिर पर रख शोभायात्रा निकाली, निर्वाण लाडू समर्पित कर की महाआरती

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में जैन दर्शन के अंतिम तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव के साथ भगवान का निर्वाण लाडू समर्पित कर श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इसके पहले युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों व मंगलाष्टक के महा महोत्सव प्रारंभ हुआ जहां श्री प्रवीण कुमार मिर्ची सौधर्म इन्द्र वनकर मन्दिर नम्बर चौबीस से भगवान महावीर स्वामी को शोभा यात्रा के रूप में लेकर चले यह शोभा यात्रा अभिनन्दन नाथ जिनालय अजित नाथ स्वामी के मन्दिर से होते हुए बड़े बाबा मंदिर पहुंचे कर धर्म सभा में वदल गई। जहां समारोह को संबोधित करते हुए कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आज हम जिओ और जीने दो का दिव्य सन्देश देने वाले भगवान महावीर स्वामी का पच्चीस सौ उन्नचास वा निर्वाण कल्याणक हम मंगल वार मंगल के संयोजन में मना रहे हैं ढाई हजार वर्ष वीत जाने के वाद भी भगवान महावीर के सिद्धांत आज भी उतनें ही उपयोगी है युद्ध की विभीषिकता से वचने के लिए हमें महावीर के सिद्धांतो को अपनाना होगा यदि विश्व इनके सिद्धांतों को मानकर आगे चलेगा तो सुख शांति से जीवन जीते हुए जगत को शान्ति से जीने दे सकते हैं।

भगवान महावीर का किया कलशभिषेक

इसके बाद भगवान श्री महावीर का अभिषेक चार इन्द्र के रूप में प्रथम इन्द्र अशोक जैन टिंगू मिल दूसरे इन्द्र मिन्टूलालजी शालू भारत तृतीय इन्द्र शैलेन्द्र ददा चतुर्थ इन्द्र सुनील कुमारदेवी ने प्रथम अभिषेक भगवानकी जय जय कार के बीच किया गया इसकेबाद जगतकल्याण की कामनाके लिएमहाशान्ति करने का सौभाग्य सौधर्म इन्द्र वनकर श्री सुमत कुमार अखाई इंसान अजित कुमार वरखेड़ा सनत शैलेन्द्र पंचोरी वासबाडा महेंद्र इन्द्र इन्द्र अशोक कुमार ग्वालियर ने बनकर शैलेन्द्र श्रागर के

मंत्रोच्चार के बीच की गई।

जय जय कार के बीच किया निर्वाण लाडू समर्पित

इसके बाद भगवान महावीर स्वामी की महा आराधना करते हुए भक्तों ने अर्घ समर्पित करते हुए महापूजा की गई इसके बाद भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक पर निर्वाण लाडू समर्पित करने का सौभाग्य कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई अजित कुमार वरखेड़ा कमेटी के मंत्री विनोद कुमार मोदी सहित अन्य भक्तों ने भक्ति भाव से समर्पित किया इस दौरान कमेटी महामंत्री विपिन सिंघाई ने कहा कि हम सब का सौभाग्य है कि हमें आचार्य श्री व परम पूज्य मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी के आशीर्वाद से निरन्तर विकास कार्य चल रहा है माताजी महाराज जी की आहार चार्या चौके हेतु आहर निलय अपनी पूर्णता की ओर है और हम इसे सीघ सभी के लिए खोलेंगे इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघाई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई प्रचार मंत्री विजय धुर्रा आडीडर राजीव चन्देरी शैलेन्द्र ददा शालू भारत मंडल संयोजक मनीष वरखेड़ा आलोक रानीपुर धनकुमार वल्ला ने सभी का सम्मान किया ।

मेथीदाना को भिगोकर खाने के क्या लाभ होते हैं?

मेथी का हमारे खाने में सब्जी से लेकर पराठे तक में काफी इस्तेमाल होता हैं। भारतीय चिकित्सा शास्त्र आयुर्वेद में सदियों से इसके पत्ते और दानों का औषधि के रूप में प्रयोग होता आ रहा है। मेथी में कई तरह के गुण और पोषक तत्व जैसे कैरोटीन, कॉपर, जिंक, सोडियम, फोलिक एसिड और मैग्नीशियम आदि पाए जाते हैं। आयुर्वेद में मेथी के दानों को गर्म गुणों का बताया गया है। इसलिए उसकी गर्माहट कम करने के लिए मेथी के दानों को कुछ समय के लिए पानी में भिगोकर रखना चाहिए। और इसके बाद मेथी के दानों को प्रयोग में लाना चाहिए। रात में किसी साफ बर्तन में छोटा आधा चम्मच साफ मेथी दाना लेकर आधे कप पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को पी जाएं और भीगे हुए मेथी दाने को चबा-चबाकर खा लें।

फायदे: शुगर नियंत्रण ,मेथी में मौजूद गेलेक्टोमैनन नामक फाइबर, खून में शुगर के अवशोषण को कम करता है। इससे ब्लड शुगर नियंत्रित रहती है।

वजन घटाना: मेथी में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है इसलिए

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

इसे पीने के बाद देर तक भूख नहीं लगती है, मेथी शरीर के मेटाबोलिज्म याने चयापचय को बढ़ाती है। इनके परिणाम स्वरूप वजन घटने लगता हैं।

कब्ज से राहत मेथी में स्थित फाइबर कब्ज की समस्या से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

पाचनतंत्र में सुधारमेथी के दाने पाचनतंत्र को सुधारते है और अपच, गैस या एसिडिटी से आराम दिलाते हैं।

कमर दर्द में आराममेथी में फ्लैवोनॉइड तत्त्व होते है जो इन्फ्लमैशन को काम करके कमर दर्द, जोड़ों के दर्द में राहत देते हैं।

24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का मोक्ष कल्याण बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिडावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में मंगलवार को भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पिड़ावा के सभी जिनालयों में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर श्री महावीर भगवान का निर्वाण कार्तिक अमावस्या को पावापुरी में हुआ था। इस अवसर पर पिड़ावा के श्री सांवरिया पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर सहित 6 जिनालयों सहित कोटड़ी, श्री भक्तामर विश्वधाम डोला में भी निर्वाण लाडू चढ़ाये गये। पिड़ावा के दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में 43 वां चातुर्मास कर रहे श्री भूतबलि सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में प्रातः 8 बजे बड़े मंदिर में श्रावक श्राविकाओ ने उत्साह और भक्तिभाव के साथ अभिषेक, शांतिधारा, महावीर भगवान की पूजन, गोतम गणधर की पूजन कर निर्वाण के लाडू चढ़ाये गये। वही मन्दिर के दोनों शिखर पर चढ़ कर अमित जैन, बबी जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद भूतबलि सागर महाराज ससंघ श्री सांवलिया पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से दिव्य घोष के साथ खंडू पुरा स्थित जुना मन्दिर नवीन जिनालय पहुंचे। जहां महाराज जी के सानिध्य व बाल ब्रह्मचारी मन्जुला दीदी के कूशल निर्देशन में निर्वाण लाडू चढ़ाये गये व चातुर्मास निष्ठापन का कार्यक्रम कर कलश वितरण किये गये।

पिड़ावा जैसे श्रावक श्राविकाओं की भक्ति हम ने कहि नही देखी- भूतबलि सागर महाराज ससंघ

43वां चातुर्मास समाप्ति पर भूतबलि सागर महाराज जी ने प्रवचन देते हुए बताया कि अब हम किसी भी प्रकार के बन्धन में नहीं है आज से हमारा चातुर्मास समाप्त हो गया है और अब हम 28 अक्टुबर को भव्य रथ यात्रा के बाद कभी भी विहार कर सकते हैं, उन्होंने बताया कि यह 43वां चातुर्मास पिड़ावा नगर में ऐतिहासिक चातुर्मास रहा है और यहां जिस प्रकार श्रावक श्राविकाओं की भक्ति हम ने देखी है ऐसी भक्ति कहि देखने में नहीं आई है । इन चार माह में जाने अंजाने में कुछ गलती हुई हो इसके लिए सबसे क्षमा सबको क्षमा करते हुवे मंगलमय आशीर्वाद प्रदान किया और निर्वाण महोत्सव का महत्व बताया कि आप लोगों को भगवान के दो कल्याणक जन्म कल्याणक व मौक्ष कल्याणक पर्व तो मनाना ही चाहिए, उन्होंने बताया कि इसी दिन भगवान महावीर स्वामी के प्रमुख गणधर इन्द्रभूति गोतम गणधर को भी केवलज्ञान हुआ था और दिव्य ध्वनि गिरी थीं। अन्त में चातुर्मास समिति के अध्यक्ष सुरेश गुरू ने सकल दिगंबर जैन समाज की और से श्री भुतबलि सागर महाराज ससंघ से चातुर्मास चार माह में जाने अनजाने में गलतिया होने पर क्षमायाचना की ।

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर समिति तलवंडी के मंदिर में

भव्य समारोह मे भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक दिवस के उपलक्ष में बड़ा लड्डू चढ़ाया

कोटा. शाबाश इंडिया

तलवंडी दिगंबर जैन मंदिर में एवं बल्लभबाड़ी कोटा के जैन समाज के दिगंबर जैन मंदिर में दीपावली के अवसर पर एवं भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक दिवस के उपलक्ष में बड़ा लड्डू चढ़ाया गया।इस अवसर पर विशेष रूप से समाजसेवी एवं श्री सकल दिगंबर जैन समाज के सम्मानित सदस्य एवं श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर तलवंडी एवं बल्लभ बाड़ी कोटा के सम्मानित सदस्य एवं गुरु मां विशुद्धमति माताजी के परम भक्त एवं गुरु मां विशुद्ध मति माताजी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष एवं ज्वैलर्स एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) कोटा के महासचिव ओम जैसर्राफ, एवं माधुरी जैन सर्राफ । श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर समिति तलवंडी के मंदिर कोटा के मंदिर में, एवं बल्लभबाड़ी जैन दिगंबर जैन समाज के मंदिर में दीपावली एवं भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक दिवस के उपलक्ष में भव्य एवं खूब बड़ा लड्डू चढ़ाया गया। इस भव्य लड्डू को चढ़ाने में सहयोग करते हुए समाजसेवी एवं जैन समाज तलवंडी के सदस्य एवं श्री सकल दिगंबर जैन समाज कोटा के सदस्य एवं मां विशुद्ध मति माताजी के परम भक्त एवं मां विशुद्धमती राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, एवं श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कोटा एवं बल्लभबाड़ी के सम्मानित सदस्य एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) कोटा के महासचिव ओम जैन सर्राफ, एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी जैन सर्राफ ने सहयोग किया ।इस अवसर पर तलवंडी कोटा एवं बल्लभबाड़ी जैन समाज कोटा के समितियों के अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी के पदाधिकारी भी मौजूद थे! लड्डू चढ़ाने के बाद जैन समाज के सभी ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी ।इस मौके पर जैन समाज तलवंडी कोटा के एवं दिगंबर जैन समाज बल्लभ वाड़ी कोटा के हजारों जैन धर्म प्रेमी लोग मौजूद थे।